खबर संक्षेप

वेदांत ठाकुर का सुयश

नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत पड़रिया उर्फ नारायणगंज में वेदांत ठाकुर ने ने कक्षा पांचवी में 85% अंक प्राप्त कर शाला में प्रथम स्थान प्राप्त किया वेदांत ठाकुर के पिता विजेंद्र ठाकुर मां सोनम ठाकुर रेड ब्रिज इंग्लिश मीडियम स्कूल में कक्षा पांचवी का छात्र है अपनी कड़ी मेहनत लगन से साल में प्रथम स्थान पाकर अपनी स्कूल का नाम रोशन कर कर दिया समस्त स्टाफ ने उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

कुर्मी समाज विकास संगठन मंडला का त्रैवार्षिक निर्वाचन 10 मई को

मंडला - कुर्मी समाज विकास संगठन मंडला का त्रैवार्षिक निर्वाचन 12 अप्रैल के स्थान पर अब 10 मई 2026 को समय 11 बजे से सम्पन्न कराया जाएगा। 12 अप्रैल को होने वाली आम सभा को अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया गया है। निर्वाचन संबंधी तैयारियों में कमी के साथ- साथ अन्य कारणों से निर्वाचन तिथि को आगे बढ़ाया गया है।

700 कुत्तों के मिले अंग, केमिकल में डालकर रखे गये थे

नसबंदी के नाम पर घोटाले की आशंका

*** कब हुई नसबंदी और कितनों की हुई स्पष्ट नहीं।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला जिले में आवारा कुत्तों की नसबंदी के नाम पर घोटाले की आशंका जताई जा रही है। 9 अप्रैल को बिंझिया की शारदा कॉलोनी में एक किराए के मकान से भारी मात्रा में कुत्तों के अंग मिलने से हड़कंप मच गया है। घटनाक्रम की जानकारी अधिकारियों ने 10 अप्रैल को दी।

पशु प्रेमी निशा ठाकुर की शिकायत पर जब पुलिस और प्रशासन की टीम वहां पहुंची, तो नजारा देखकर दंग रह गई।

जांच टीम को मौके से करीब 500 नर और 200 मादा कुत्तों के अंग मिले हैं। इन अंगों को खराब होने से बचाने के लिए 'फॉर्मलीन' (एक तरह का केमिकल) डालकर डिब्बों में रखा गया था।

यह मकान जबलपुर की 'मां नर्मदा इंटरप्राइजेज' नाम की संस्था ने किराए पर लिया था, जिसे नगर पालिका ने कुत्तों की नसबंदी का ठेका दिया था। बिना काम किए पैसे ऐंठने की साजिश?

शिकायत करने वाली निशा ठाकुर का आरोप है कि संस्था ने असल में कोई काम नहीं किया, बल्कि कहीं बाहर से ये अंग लाकर यहां जमा किए थे। शक जताया जा रहा है कि इन अंगों को सरकारी रिकॉर्ड में दिखाकर बिना नसबंदी किए ही लाखों रुपए का भुगतान लेने की तैयारी थी।

नगर पालिका ने रद्द किया ठेका

10 अप्रैल को नगर पालिका अधिकारी गजानन नाफड़े ने बताया कि संस्था को पिछले साल दिसंबर में काम सौंपा गया था, लेकिन कई बार कहने के बाद भी उन्होंने काम शुरू नहीं किया। इसी लापरवाही की वजह से 2 अप्रैल को उनका ठेका पहले ही रद्द किया जा चुका है और उनकी जमा राशि (EMD) भी जब्त की जा रही है।

पुलिस जांच में खुलेगा राज

पशुपालन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नसबंदी के बाद अंगों का निपटारा करने का एक खास तरीका होता है, लेकिन इस तरह उन्हें छिपाकर रखना गंभीर मामला है।

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है कि आखिर इतने सारे अंग कहां से आए और इस खेल में कौन-कौन शामिल है। जागरूक लोगों की वजह से यह संदिग्ध मामला समय रहते सामने आ गया।

राहुल नामदेव धोते बने मण्डला के नए कलेक्टर

*** सोमेश मिश्रा का नर्मदापुरम ट्रांसफर।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मध्यप्रदेश शासन ने प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 18 जिलों के कलेक्टरों और 3 संभागीय आयुक्तों की तबादला सूची जारी की है। इस आदेश के तहत मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा का स्थानांतरण नर्मदापुरम जिले में किया गया है। उनके स्थान पर वर्ष 2017 बैच के आईएएस अधिकारी राहुल नामदेव धोते मंडला के नए कलेक्टर नियुक्त किए गए हैं।

उप सचिव से जिला कलेक्टर बने राहुल नामदेव धोते

राहुल नामदेव धोते वर्तमान में नर्मदा घाटी विकास विभाग में उप सचिव के पद पर कार्यरत थे। उनके पास दिसंबर 2024 से जल संसाधन विभाग के उप सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी था। वे इससे पहले सीधी में जिला पंचायत सीईओ और रतलाम के जावरा में एसडीएम के रूप में सेवाएं दे चुके हैं।

सोमेश मिश्रा 11 अगस्त 2024 से मंडला कलेक्टर के पद पर कार्यरत थे। उनके कार्यकाल के दौरान जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य और धार्मिक क्षेत्रों में कई नवाचार किए गए। उन्होंने प्रशासनिक पारदर्शिता के लिए कलेक्टर चैंबर में पर्ची सिस्टम को समाप्त कर सीधे जनसुनवाई की व्यवस्था लागू की थी।

नए कलेक्टर के सामने जनसमस्याओं के निराकरण की चुनौती

मंडला के नए कलेक्टर राहुल नामदेव धोते के समक्ष जिले की विकास परियोजनाओं को गति देने की मुख्य जिम्मेदारी होगी। शासन ने उनसे राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और आम जनता की बुनियादी समस्याओं के प्रभावी समाधान की अपेक्षा की है। यह फेरबदल प्रशासनिक कसावट लाने के उद्देश्य से किया गया है।

उपयंत्री विशाल उइके पर आखिर इतनी मेहरबानी क्यों?

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले के लोक निर्माण विभाग में भ्रष्टाचार कोई नई बात नहीं। इस विभाग के द्वारा किये गये निर्माण कार्य हमेंशा से चर्चा में रहे हैं लाखों करोड़ों रूपये तो यूं ही इस विभाग के द्वारा मरम्मत एवं साज-सज्जा के कार्यो में ही ठीक कर लिये जाते हैं जिले में जितने भवन लोक निर्माण विभाग के अधीन आते हैं उनकी यदि सूची निकलाई जाये और प्रतिवर्ष होने वाले खर्चो का आंकलन किया जाये तो स्थिति स्वतः स्पष्ट हो जायेगी कि किस तरह छोटे-छोटे ठेकेदारों जिन्हें तकनीक का भी पूरा ध्यान नहीं है उनके नाम कैसें लाखों के भुगतान किये गये हैं।

पिछले दिनों सड़कों के पेंचवर्ग एवं पुलिया मरम्मत कार्य को लेकर लगभग 70 लाख रूपये की हेरा-फेरी की खबरें चर्चा में थी जिसकी शिकायत भी 27 दिसम्बर 2025 को की गई थी और जिला प्रशासन द्वारा एक 04 सदस्यीय जांच बनाकर इन कार्यो में हुई अनियमित्ताओं की जांच कराई गई थी और जांच प्रतिवेदन अपर कलेक्टर कार्यालय को सौंपा गया था इस संबंध में कलेक्टर मण्डला द्वारा लोक निर्माण विभाग कार्यपालन यंत्री, उपयंत्री विशाल उइके, एसडीओ निवास एवं बिछिया एसडीओ को नोटिस जारी किये गये थे इसके बाद पूरा मामला ठण्डे बस्ते में डाल दिया गया। चीप इंजीनियर लोक निर्माण विभाग जबलपुर का स्पष्ट कहना है कि मण्डला कलेक्टर के द्वारा किसी भी तरह का जांच प्रतिवेदन मुझे नहीं सौंपा गया है अब मैं इन अधिकारियों पर कार्यवाही करूं तो कैसें। आखिर कौन है जो उपयंत्री विशाल उइके को बचा रहा है।

विश्व होम्योपैथी दिवस पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर सैमुअल हैनीमैन की जयंती के उपलक्ष्य में आयुष विभाग मंडला द्वारा माहिष्मती घाट में निःशुल्क होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. गायत्री अहाके के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में आमजन के लिए उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हीमोग्लोबिन एवं वजन सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांचें निःशुल्क की गईं। शिविर का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों में होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं इसका प्रचार-प्रसार करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहंती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयुष विभाग के होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिलीप कुमार झारिया, डॉ. दिवाकर तिवारी, डॉ. रितेश गुप्ता, डॉ. मुकेश कुमार महाजन, डॉ. तेजसिंह ताराम, डॉ. आशीष गौठरिया तथा डॉ. प्रियंका धुर्वे सहित अन्य स्टाफ ने सक्रिय सहभागिता निभाई और शिविर को सफल बनाया।

शिविर में कुल 226 लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं, जिनमें होम्योपैथी के 153 एवं आयुर्वेद के 73 मरीज शामिल रहे। आयोजन के माध्यम से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का सार्थक प्रयास किया गया।

8वें पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

8वें पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का गुरूवार को शुभारंभ ग्राम पंचायत भावल के आंगनवाड़ी केंद्र सौंडर में किया गया। इस अवसर पर सरपंच श्री नोहर मरावी द्वारा सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। वहीं ग्राम पंचायत मैली के आंगनवाड़ी केंद्र में पंच श्रीमती रामवती वंशकार द्वारा सरस्वती पूजन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम में जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें ग्रामीणों को 15 दिवसीय पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया गया। रैली के माध्यम से संतुलित आहार, स्वच्छता एवं बच्चों के समुचित पोषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

परियोजना अधिकारी संजीव मोहर ने उपस्थित महिलाओं एवं हितग्राहियों को संबोधित करते हुए पोषण पखवाड़ा के प्रमुख घटकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बच्चों के जीवन के शुरुआती 6 वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि इसी अवधि में लगभग 85 प्रतिशत मस्तिष्क का विकास होता है। इस दौरान बच्चों को उचित देखभाल, संतुलित आहार एवं परिवार के सभी सदस्यों का सहयोग आवश्यक है। वर्तमान समय में बच्चों में मोबाइल के अत्यधिक उपयोग की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिससे उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इससे बचाव के लिए पारंपरिक खेलों एवं स्थानीय स्तर पर बनाए जाने वाले खिलौनों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, जिससे बच्चों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, महिलाएं एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

शासकीय कला महाविद्यालय हर्षोल्लास के साथ मनाया गया वार्षिकोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/बम्हनीबंजर

शासकीय कला महाविद्यालय बम्हनीबंजर में शुक्रवार को वार्षिकोत्सव एवं सांस्कृतिक समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना हरदहा उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. करुणा नेमा ने की। वहीं मंच का संचालन प्रो. डॉ विवेक जसवाल ने किया। शुभारंभ अतिथियों ने फीता काटकर, मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। इसके बाद सभी अतिथियों का पटुका, बैज और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति में जूली परते, राहुल यादव,हर्ष पटेल, कुंती नंदा नंदिनी नंदा, अंकिता मरावी दीपाली यादव नेहा पटेल पायल ठाकुर संजना झरिया शिवानी उईके सौरभ पटवार दीपक नेत्री सिमोन कुर्वेति, देवांशी हरदहा, मुस्कान चक्रवर्ती एवं अन्य छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों की सराहना प्राप्त की। इस अवसर पर शैक्षणिक सत्र 2025–26 में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया। संबोधन में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने कहा कि अगर जीवन में सब कुछ सुगम तरीके से चलता रहेगा तो जीवन का आनंद ही नहीं है लेकिन निसंदेह जो चीज की कमी कॉलेज में है,उस को पूरा करने के लिए साथ विद्यार्थियों के साथ खड़ा हूं। बीकॉम, बीएससी और एमए की मांग को लेकर भी लड़ाई लड़ेंगे। यहां पर वरिष्ठ जनप्रतिनिधि नहीं पहुंच पाएं हैं लेकिन मैं उनका प्रतिनिधि के तौर पर हूं। मैं आपकी बातों को सही जगह तक पहुंचाऊंगा। उन्होंने कहा मेरी पढ़ाई जारी है और मैं पीएचडी की पढ़ाई करके ओरिजनल डॉ. बनकर आऊंगा। वहीं अनुशासन,शिक्षा और खेलों का विशेष महत्व रहता है। विद्यार्थियों को गंभीरता से अध्ययन करते हुए स्वयं को राष्ट्र सेवा के योग्य बनाना चाहिए। वहीं नगर परिषद अध्यक्ष मीना हरदहा ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य डॉक्टर श्रीमती करुणा नेमा क्रीड़ा अधिकारी डॉ विवेक कुमार जायसवाल प्रोफेसर एसपी झरिया डॉक्टर श्रीमती कुंती वराठे डॉ प्रियंका पटेल डॉ रंजीत भालेकर डॉ मनीष लांजेवर आयुष हरदहा भानु प्रताप सिंह ठाकुर श्रीमती सुनैना श्याम रितेश नामदेव जनभागीदारी सदस्य प्राचार्य विजय ठाकुर ओमप्रकाश झरिया शरद रघुवंशी सुशील कुमार नाविक पार्षद अनिल चंद्रौल ,दीपिका यादव एवं छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही।

मानवसेवा | **सिंधु नवयुवक मंडल के द्वारा आयोजित शिविर में 44 यूनिट हुआ रक्तदान।**

सिंधी भाषा दिवस पर किया रक्त का दान

*** मानवता की सेवा के लिए आगे आया सिंधी समाज।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

10 अप्रैल शुक्रवार को सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वाधान में सिंधु नवयुवक मंडल मंडला के द्वारा एक जागरूकता पहल के अंतर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया,जिसमें रक्तदाताओं ने उत्साह के साथ सहभागिता की।अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब परिसर में रक्तदान शिविर संपन्न हुआ।

आयोजन की शुरुआत में सामाजिक चिकित्सक डॉ प्रहलाद क्षत्री, डॉ राहुल पमनानी, डॉ शालू वीरानी, डॉ वसुंधरा पमनानी, चिकित्सा सलाहकार श्याम लालवानी, पूज्य सिंधी पंचायत, सिंधु नवयुवक मंडल के सदस्यों की मौजूदगी में रिबन काटकर शुभारंभ किया गया, भगवान श्री झूलेलाल के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण किया गया, इस अवसर पर बड़ी संख्या में सामाजिक जन मौजूद रहे।

इस अवसर पर आयोजकों के द्वारा रक्तदाताओं के लिए जूस, चाय,बिस्किट एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था रखी गई। शिविर में पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं ने भी रक्तदान में सहभागिता की पीड़ित मानवता की सेवार्थ के लिए रक्तदाताओं में उत्साह देखा गया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।

आयोजन में सेल्फी प्वाइंट बनाया गया जिसमें रक्तदाताओं ने ब्लड देने के बाद फोटो क्लिक में उत्साह देखा गया।इस अवसर पर पुरुष एवं महिलाओं के द्वारा 44 यूनिट रक्तदान किया गया जो कि जिला ब्लड बैंक को सुपुर्द किया गया। आयोजन में जिला चिकित्सालय से मेडिकल ऑफिसर डॉ अंशुल शर्मा, पैथोलॉजी विशेषज्ञ डॉ योगेश सिरश्याम एवं जिला ब्लड बैंक की टीम के सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

अप्रैल माह की चिलचिलाती धूप के बीच शुरू हुये नये शिक्षा सत्र से परेशानियों से जूझते हुये नजर आ रहे हैं देश का भविष्य मासूम

शालाओं में रौनक की जगह लगातार बढ़ रहे तापमान से अभिभावको में बच्चों को लेकर दिखाई दे रही चिंता.. .

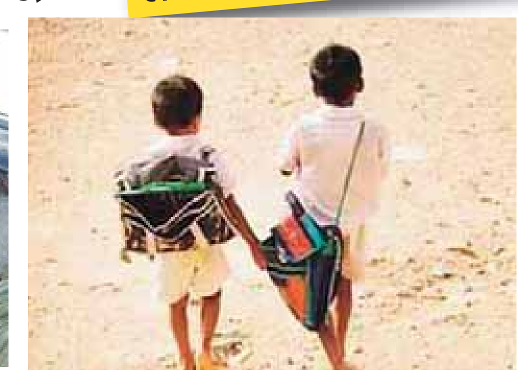

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

प्रतिवर्ष देखा जाता है कि सही मायने में नये शिक्षा सत्र की शुरूआत 1 जुलाई से होती है। यह बात अलग है कि शासन द्वारा कुछ फेर बदल करते हुये इसकी शुरूआत कुछ सालों से भले ही 1 अप्रैल माह से कर दी गई है। मगर इसके बाद भी लोगों के दिलों में एक जुलाई घर करके बैठा हुआ है जिसके चलते बीते हुये 1 अप्रैल से नये शिक्षा सत्र की शुरूआत तो हो गई है। मगर इस समय सूर्यदेव जिस तरह आसमान से आग बरसा रहे है उसके चलते न तो स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई हो पा रही है और न ही शिक्षक पढ़ा पा रहे है। इस स्थिति में निश्चित तौर से शासन का 1 अप्रैल से नये शिक्षा सत्र शुरू करने की घोषणा मात्र औपचारिकता पूर्ण ही नजर आने से नही चूक पा रही है..? शासन के आदेश पर 1 अप्रैल से शुरू हुये नये शिक्षा सत्र के चलते इस समय पड़ रही भीषण गर्मी के बीच जहां बच्चो को स्कूल आने जाने में परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर भीषण गर्मी के बीच शुरू हुये इस नये शिक्षा सत्र को लेकर अभिभावकों में भी अपने बच्चों को लेकर चिंता सता रही है..? क्योंकि अप्रैल माह के शुरूआत में ही जिस तरह सूरज देव आग उगलते हुय नजर आने के कारण चिलचिलाती धूम में बच्चों को स्कूल आने जाने में परेशान होना पड़ रहा है। गौर किया जावे तो शिक्षण संस्थाओं में भी पढ़ाई के नाम पर मात्र औपचारिकता निभाते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि सुबह 10 बजे से ही सूरज की तपन के बीच जब क्लासों में बच्चे बैठते है तो पंखों से निकलने वाली गर्म हवा से वह बेहाल होने से नही चूक पाते है। वही अनेक स्कूलों की स्थिति इस तरह बनी हुई है कि एक छोटे से कमरे में संचालित होने वाली क्लासों में जरूरत से ज्यादा बच्चें होने के कारण उन्हें हवा नही मिलने के कारण बच्चें पसीना पसीना होकर बेहाल होने से नही बच पा रहे है। इसी प्रकार का हाल दोपहर के समय जब स्कूलों से इन बच्चों की छुट्टी होती है तो तेज तपन के बीच बच्चों को घर पहुंचना मुश्किलों से खाली नही है। क्योंकि तेज धूप के बीच स्कूल से अपने घर आने में मासूमों के अभिभावकों को इस बात का डर सताने से नही चूक रहा है कि कही उनका बच्चों लू का शिकार न हो जावे..? यह बात जरूर है कि शासन द्वारा चलाये जा रहे जल गंगा सवर्धन अभियान में इन स्कूली बच्चों का जरूर उपयोग होते हुये देखा जा रहा है। कही ऐसा तो सरकार द्वारा शुरू किये गये जल गंगा सवर्धन अभियान को ही सफल बनाने के लिये नये शिक्षा सत्र की शुरूआत की गई हो...? खैर सच्चाई जो भी हो मगर देखा जा रहा है कि नये शिक्षा

सत्र को शुरू हुये 10 दिन का समय बीत चुका है और स्कूलों में पढ़ाई का महौल शायद ही कही दिखाई देने मिल पा रहा है..? वही दूसरी ओर बीते हुये एक अप्रैल से शुरू हुये निजी व शासकीय शिक्षण संस्थाओं में नये सत्र के दौरान पुस्तकों सहित अन्य स्कूली सामग्री की दुकानों पर भीड़ उमड़ने की शुरूआत हो चुकी है। वही दूसरी ओर निजी शिक्षण संस्थाओं में गर्मी के चलते बच्चों को पढ़ाई होने की उम्मीद कम ही नजर आ रही है। यह बात जरूर है कि निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा एक माह स्कूल संचालित किये जाने के नाम पर छात्र छात्राओं से फीस बसूल करने में कोई कसर नही छोडेगे। इस तरह शिक्षा विभाग द्वारा अप्रैल माह में नया शिक्षा सत्र शुरू करने के निर्णय को लेकर अभिभावकों में जहां आक्रोश देखने मिल रहा है। वही दूसरी ओर नये शिक्षा सत्र की शुरूआत होने के चलते अभिभावकों को आर्थित बोझ का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये भी देखा जा रहा है। क्योंकि उनके बच्चें स्कूल शुरू होने की बात को लेकर अपने माता पिता पर पुस्तके सहित अन्य सामग्री खरीदने का दवाव बनाये जाने के कारण पुस्तकों की दुकानों पर भीड़ लगते हुये दिखाई देना शुरू हो चुकी है। क्योंकि नया शिक्षा सत्र शुरू होने से शाला में पढ़ने जाने वाला कोई मासूम बच्चा अपने

पापा से स्कूल की ड्रेस, रंगीन छाता, किताबे, कापियां, टिफिन बाक्स, कम्पास दिलाने की हठ करते हुये देखे जा रहे है तो कोई मासूम बच्चा अपनी मॉ से फरमाईश कर रहा था कि स्कूल जाने के पहले उसके टिफिन बाक्स में रोज बदलकर खाने की नई चीजें रखी जाएँ। इस प्रकार से घरो में आलम यह देखने मिल रहा है कि बच्चों के बेहतर भविष्य के खातिर भीषण महँगाई से जंग लड़ रहे अभिभावक बच्चो की हर फर माईश पूरी करने की व्यवस्थाओं में जुटे हुये नजर आने से नही चूक रहे है। इस तरह नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत होने के चलते पुस्तक विक्रेताओं की दुकानो पर अभिभावको की भीड़ बढ़नें लगी है और नयी शालेय सामग्री बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करने लगी है। वही पुस्तक विक्रेताओं का कहना है कि इस वर्ष किताबे, कापियों तथा बच्चो के उपयोगी अन्य सामान की कीमतो में खास ईजाफा नही हुआ है तथा उनकी ओर से यह कोशिश की जा रही है कि बच्चो को एक ही बार में कोर्स की सारी किताबे उपलब्ध करायी जाएँ। वही दूसरी ओर शालाओं में नया शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के बावजूद शिक्षा व्यवस्था सम्बंधी अनेक कमियॉ रह गयी है..? क्योंकि नगर की चमकती, दमकती अशासकीय शालाओं में फीस वृद्धि, डोनेशन वसूली का खेल जारी है। वही दूसरी ओर स्कूल चले हम अभियान की आशा जनक सफलता न होने की वजह से गरीब परिवारो के बहुत से बच्चे शिक्षा हासिल करने से वंचित रहते हुए जान पड़ रहे है। वही दूसरी ओर सरकार द्वारा शुरू किये गये स्कूल चले हम अभियान भी मात्र औपचारिकता पूर्ण दिखाई देने से नही चूक रहा है...? शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के उद्वेश्य से अनेक प्रकार के अभियान चलाते हुए बच्चों को शिक्षा की ओर रूख करने के लिए प्रयास किये गये है। मगर जब अनेक बच्चों को स्कूली पुस्तकों की जगह जहां तहां कबाड़ बीनते हुए देखा जाता है तो शासन द्वारा चलाई जाने वाली सभी योजनाओं पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है..? सच्चाई पर गौर किया जावे तो आज भी अनेक बच्चें इस प्रकार से मिल सकते है जिन्हें शायद पता ही नही होगा कि नया शिक्षा सत्र शुरू हो चुका है जिसके चलते सबाल यह पैदा हो रहा है कि इस स्थिति में आखिर में किस प्रकार से सफल हुआ स्कूल चले हम अभियान...? नगर की शासकीय प्राथमिक शालाओ की दुर्दशा पर भी ध्यान नहीं दिया गया है, जिसके चलते अनेक शासकीय शालाएं जहां खंडहर में तब्दील होते हुए नजर आ रही है, जिनमें सांप गुहरे आराम फरमा रहे है तो कुछ शालाओं में रात के समय होने वाली शराब खोरी के चलते शराब की बोतले पड़ी हुई नजर आने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर अनेक शासकीय स्कूल अतिक्रमण में चपेट में देखे जा रहे है। इस तरह बीते हुये 1 अप्रैल से नए शिक्षा सत्र के आगाज होने पर अभिभावको ने मॉग की है कि शहर की शासकीय शालाओं में पर्याप्त शिक्षक रखे जाएँ तथा जो शिक्षक अकर्मण्य और नशे की लत का शिकार शिक्षकों को हटाया जाए तथा शालाओं के आस पास के अतिक्रमण हटाये जाए, स्कूलो के खेल कूद के मैदानो को व्यवास्थित स्वरूप दिया जावे।

खबर संक्षेप

लगातार बदहाली की भेंट चढ रहा है नगर का सबसे बड़ा तालाब

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जहां एक ओर शासन द्वारा पुराने जल स्त्रोतो को बचाने के लिये मुहिम चलाते हुये हर वर्ष करोड़ो रूपया खर्च किये जाते है और पुराने तालाबों को जीर्णोद्वार के साथ साथ हर वर्ष नये तालाबों का निर्माण भी कराये जाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। मगर जिस प्रकार से नगर का सबसे बड़ा तालाब बदहाली का शिकार होते हुये देखा जा रहा है उसके चलते शासन द्वारा जल स्त्रोतों के बचाने के लिये चलाई जा रही संपूर्ण योजनाओं पर अपने आप ही प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक पा रहा है? बताया जाता है कि नगर का तालाब जहां अपने अस्तित्व में एक इतिहास समेटे हुये है, जिसके चलते इस तालाब को नगर की धरोहर माना जाता है, मगर प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता का परिणाम इस प्रकार से देखने मिल रहा है कि यह तालाब लगातार बदहाली का शिकार होने से नही बच पा रहा है, क्योंकि जहां तालाब के चारों ओर अतिक्रमण की बाढ़ के चलते इसका स्वरूप छोटा होने से नही चूक रहा है, वही दूसरी ओर लगातार इस तालाब में गंदगी फैलाये जाने के कारण तालाब की स्थिति दिनों दिन खराब होते हुये दिखाई देने लगी है, यदि समय रहते हुये इस ओर ध्यान नही दिया गया तो वह दिन दूर नही जब इस तालाब के लिये लोग सिर्फ याद ही कर पायेंगे और इसके दर्शन दुर्लभ हो जावेगे?

प्रशासन की सड़कों से मवेशी हटाने की मुहिम पड़ी ठंडी, फिर खतरा बनने लगे सड़कों पर घूमते आवारा पशु

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर की सड़को पर घूमने वाले आवारा पशु निश्चित तौर से नगरवासियों के लिये सिर दर्द बनने से नही चूक पा रहे है। क्योंकि नगर के प्रमुख चौराहों से लेकर आम रास्तों पर बैठे रहने वाले यह आवारा पशु जहां सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण साबित हो रहे है तो दूसरी ओर नगर के सब्जी बाजार से लेकर दुकानदारों को परेशान करने से नही चूक रहे है। इस प्रकार से सड़को पर घूमने वाले आवारा पशुओं को लेकर बीते हुये कुछ समय पहले नगर पालिका प्रशासन द्वारा बाहर करने के लिये मुहिम छेड़ते हुये लाखों रूपया की लागत से कुछ वाहन भी खरीदे गये थें। वही कुछ कर्मचारियों को नियुक्त भी किया गया था। मगर नगर पालिका प्रशासन की यह मुहिम मात्र चार दिन की चांदनी फिर अधियारी रात ही साबित होते हुये जान पड़ रही है। जिसका परिणाम है कि दिन रात सड़को पर डेरा जमाये रहने वाले इन पशुओं के चलते लोगों का निकलना मुश्किल हो रहा है तो रात के समय स्थिति भयानक रूप लेने से इसलिये नही चूक पाती है कि जब अचानक लाईट चली जाती है उस दौरान जब वाहन चालक निकल रहा होता है तो सड़को पर बैठे हुये यह पशु नजर ही नही आते है और सड़क दुर्घटना का कारण बन जाते है। इस तरह आवारा पशुओं के कारण घटित हुई घटनाओं पर नजर डाली जावे तो जहां अनेक लोग घायल हो चुके है और अनेक लोगों की जाने भी जा चुकी है? मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा इस ओर कोई ध्यान ही नही दिये जाने का परिणाम है कि सड़को पर घूमने वासले इन आवारा पशुओं की संख्या में दिनों दिन लगातार बढ़ोत्तरी का आलम बनते चला जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में कागजों के हिसाब से तो नियुक्त है स्वास्थ्य कर्मी, मगर चक्कर कटते रहते है ग्रामीणजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र के अंतर्गत अनेक गांवों में अनेक शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किये गये है, मगर यदि ईमानदारी से देखा जावे तो इन शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ चरमरा रही है? एक तरफ मौसमी बीमारियों का प्रकोप होने के साथ साथ इस समय अन्य कई प्रकार की दहशत संपूर्ण क्षेत्रवासियों को दहशत में डालने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य कर्मी नर्स व मलेरिया वर्कर अपने मुख्यालय से गायब रहते है? ऐसे में टीकाकरण सहित शासन द्वारा ग्रामीणजनों के नाम पर चलाई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का क्या हाल होगा इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है, शायद ही इसका किसी के पास कोई जवाब हो?

वाहन मालिकों की मनमानी पर अंकुश न होने से रात के समय लोगों का सोना भी हो रहा है मश्किल....

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर मे जहॉ इन दिनो ट्रैफिक की दिक्कत बनने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, वही दूसरी ओर इन वाहनों से निकलने वाला शोर जहां नगरवासियों को परेशानी खडा कर रहा है। वही दूसरी ओर लोगों को मानासिक टेंशन भी देता है। परेशानियां भी कम नही- सामान्यतः शहरी लोग इस शोर शराबे के आदी हो गए है। क्योंकि यह शोर उनकी जिन्दगी का एक हिस्सा बन गया है, सुबह से लेकर शाम तक उनकी जिंदगी इसी शोर के बीच गुजरती है,फिर चाहे वह कूलर,टीवी या पम्प की आवाज ही क्यों न हो परेशानी मुख्यतः ग्रामीण इलाकों से आये हुए लोगों को होती है। क्योंकि वे इस शोर के आदी नही होते है, इससे उन्हे मानासिक परेशानी होती है,शहरों में देखा जावे तो यहां हर रोज फिक की दिक्कत तो रहती ही है साथ ही शोर से लोगो के कन्फ्यूजन भी होता है और हादसे होने की संभावना रहती है। इस ध्वनि के साथ वायु प्रदुषण भी ये भारी भरकम वाहन जहां एक ओर अपने शोर से लोगों को परेशान करते है,वही इनसे निकलने वाले धुये ने लोगों का सांस लेना दूभर कर दिया है, इससे लोगो वाहन चलाने,आंखो मे जलन व सांस लेने मे भारी दिक्कत होती है। कौन से वाहन-जहां तक यदि देखा जाए तो शहर में हैवी प्रेशर हार्न की बात करें तो ये आपके वाहन पर निर्भर करता है,लेकिन प्रेशन हार्न मुख्यतः है और इनकी संख्या शहर में ज्यादा है। नगर में घूमने वाले वालों में देखा जाता है कि जिस प्रकार से कर्कस हार्न लगे होने के कारण जब उनके चालकों द्वारा हार्न बजाये जाते है तो सोते हुए लोगों की नीदे खराब हो जाती है। वही दूसरी ओर अक्सर बाहनों में जो डेक टेप रिकार्डर लगे होते है, देर रात तक सड़को पर घूमते हुए उसे इतनी तेज आबाज में चलाते है, जिससे नगरवासी परेशान होने लगे है, यह स्थिति नगर की सड़कों पर घूमने वाले अनेक आटों में भी देखने मिल रही है, जो रात रात भर सड़को पर घूमते हुए तेज आवाज में गाना सुनते रहते है, इस स्थिति में नगरवासी रात के समय सो तक नही पाते है? वाहनो का फिटनेस टेस्ट-जहां नये एक्ट की बात है तो शासन द्वारा नित नये नियम बनाये जाते है और तोड़े भी जाते है और तो और अब ये नियम भी आ चुका है कि प्रत्येक भारी वाहन मालिक को अपने वाहन का फिटनेस टेस्ट कराना होगा जिससे यह बात सामने आएगी की वाहन की आखिर कंडीशन क्या है प्रेशर हार्न कितनी क्षमता और जरूरत के लगाये जाये,यदि सही तरीके से देखा जाये तो यह नियम शहर मे भी लागू किया जाना चाहिए। इन भारी एवं तेज वाहनो की अवाज से लोगों मे तरह तरह की बीमारियां बढ़ रही है जिससे शहर मे तनाव अनिद्रा ब्लड प्रेशर के रोगी दिन व दिन बढ़ते ही जा रहे है इसके लिए ज्यादा से ज्यादा यही किया जा सकता है।

शासकीय चिकित्सालय में आयोजित हुआ विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मा. म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशनुसार व मा. जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष महो. अखिलेश शुक्ला जिला विधिक सेवा प्रा. के निर्देशानुसार तथा तहसील विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष व जिला न्यायाधीश मा. श्रीमति संतोषी बासनिक के मार्ग दर्शन में बीते हुये दिवस नगर के शासकीय चिकित्सालय में नालसा जाग्रति योजना 2025 न्याय जागरूकता के लिये जमीनी स्तर व पारदर्शिता पहल के उपलक्ष्य पर मा. सूरज सिंह राठौर चतुर्थ जिला न्यायाधीश गाडरवारा की उपस्थिति में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त विधिक साक्षरता शिविर में न्यायाधीश द्वारा बताया कि इस योजना का उद्वेश्य कानूनी जागरूकता को संस्थागत बनाना एवं कानूनी सशक्तिकरण और न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना है। यह योजना सार्वजनिक स्थानो पर विशाल शिविर का आयोजन कर एवं कानूनी सहायता सेवाओं का एक डेटाबेस बनाकर लोगो को जागरूक करना है। वही उपभोक्ता जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारिया प्रदान की गई। इस दौरान अधिकारो व अधिकारों के हनन होने पर कानूनी प्रक्रिया के बारे में भी अवगत कराया गया। इस मौके पर न्यायाधीशों ने मोटर यान का प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित करना चाहिये की जिस वाहन का वह उपयोग कर रहे है उसका बीमा है कि नही। वाहन का बीमा होना जरूरी है। वही वाहन चलाने के लिये हर व्यक्ति के पास अपना ड्राईविंग लाईसेन्स होना जरूरी होता है। बगैर लाईसेंस के किसी भी वाहन को चलाना कानूनी व सामाजिक अपराध माना जाता है। आम लोगों को न्याय शुलभ बनाने के लिये प्राधिकरण ने कई महत्वपूर्ण योजना शुरू की गई है। मुप्त कानूनी सहायता योजना इनमें से सबसे महत्वपूर्ण योजना है। इस दौरान बताया कि एस.सी. एस.टी वर्ग के लोग महिलाये, बच्चे व दिव्यांग तथा आपदा पीडित, अत्याचार से पीड़ित, श्रमिक, किन्नर कैदी और सालाना 2 लाख रूपया से कम आये वाले वर्गो के लोग इस फ्री कानूनी सहायता योजना का लाभ ले सकते है। इसके लिये आवेदन की प्रक्रिकया बहुत सरल है। किसी भी न्यायालय परिसर में स्थापित तहसील विधिक सेवा समिति में जाकर पात्र लोग मुप्त कानूनी सहायता के लिये आवेदन कर सकते है। आयोजित इस शिविर में उपेन्द्र वस्तकार प्रभारी अधीक्षक सिविल हॉस्पिल के आलवा डा डी पी कोरी, डा आशुतोष मेहता, उत्तम पटैल, निखिल साहू, आशीष कौरव, श्रीमति संगीता साहू, श्रीमति सुनील वर्मा, सोनम उके, मनीषा शर्मा, सरीता रांगढाले, रस्मी कोरी, रंजीता नागवंशी, मनीषा सनोडिया, श्रीमति शिखा सोनी, पीएलबी शेख रहीम, अखिलेश सोनी सहित अन्य लोग मौजूद थें।

एटीएम के अभाव में राशि निकालने के लिए परेशान हो रही खुलरी क्षेत्रवासी

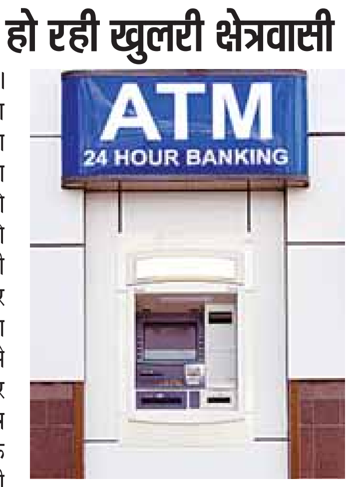

हरिभूमि न्यूज/खुलरी। जहां एक ओर शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ देने के लिए सरकार का प्रयास है कि हर व्यक्ति को लाभ बैक के माध्यम से प्राप्त हो जिसमें किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो सके और हर व्यक्ति शासन की योजना का लाभ अपने खाते के माध्यम से ले सके। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि खुलरी क्षेत्र में स्थित बैक द्वारा अभी तक एटीएम की सुविधा प्रदान नही किये जाने के कारण लोगों को अपने खातों से राशि निकालने के लिए भटकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? गौर किया जावे तो खुलरी में स्थिति भारतीय स्टैट बैंक शाखा के माध्यम से खुलरी के आलवा ग्राम भौरझिर, घघरोला, पटना, भूमिया ढ़ाना, पिठहरा, सूरना, मुडिया, लिंगा, बिलोनी, बेहरा, तिगुवा, करहैया, सलैया सहित अनेक गांवों के उपभोक्ताओं द्वारा जहां प्रतिदिन लेनदेन किया जाता है, वही दूसरी ओर अनेक ग्राम पंचायतों के खाते भी यही के बैक से संचालित हो रहे है, मगर बैक शाखा द्वारा अभी तक अपने उपभोक्ताओं को राशि निकालने के लिए एटीएम की स्थापना नही किये जाने की स्थिति में क्षेत्र के लोंगो को राशि निकालने के लिए भटकना पड़ता है। क्योंकि यदि किसी को अपनी राशि निकालना होता है तो वह सिर्फ बैंक के कार्य दिवस व समय पर पहुंचता है तभी उसे राशि मिल पाती है, यदि अवकाश सहित अन्य समय किसी उपभोक्ता को राशि की जरूरत पड़ती है तो वह भटकने के लिए मजबूर देखा जाता है। इस स्थिति के चलते क्षेत्र की जनता द्वारा ग्राम खुलरी में एटीएम स्थापना की मांग करते हुए यह सुविधा शीघ्र शुरू करने की गुहार लगाई जा रही है।

कबाड़ में गुम हुआ बचपन, शासन की योजनाओं पर खड़े हुए सवाल?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। शहर सहित आसपास के क्षेत्र मे शिक्षा स्तर सुधारने के लिए प्रशासन द्वारा काफी प्रयास किए जा रहे है, इन प्रयासों के चलते सर्वशिक्षा अभियान, स्कूल चले हम, राजीव गांधी साक्षरता मिशन के अलावा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे आंगनबाड़ी भी चलाई जा रही है, लेकिन इन सब योजनाओं के संचालित होने के बाद भी क्षेत्र में निचले तबके के लोगों तक इन सब योजनाओं का लाभ शायद पहुंच ही नही पा रहा है? फिर सारे प्रयास औपचारिकता के लिए हो रहे है? ऐसा कहा जाए तो शायद गलत नही होगा, क्योंकि नगर में ही इस प्रकार के दृश्य अक्सर देखने मे आते है कि गली मोहल्लों मे छोटे छोटे नाबांलिग बच्चे कचरे के ढेरों मे अपना भविष्य ढूंढते रहते है। गली गली घूमने वाले ये बच्चे कबाड़ बीनकर कमाए पैसों को भी बुरी आदतों मे लगा देते है। यही इनका आज और शायद कल भी हो सकता है, क्योकि इनके जिम्मेदार मां बाप ही ऐसा करा रहे है, ऐसा ही कुछ शहर के अनेक स्थानों पर देखने मिलता है, जहां 4 छोटे छोटे बच्चे हाथ मे बोरी लिए कबाड़ बीनते बीनते थककर कही भी बैठ जाते है। जिन्हे देखकर लोग यह कहने से नही चूकते है कि सरकार द्वारा जिस प्रकार से 1 से लेकर 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में चलाई जा रही योजनाओं से प्रदेश का धन तो खर्च हो रहा है, मगर उसका लाभ इन मासूम बच्चों की जगह अधिकारियों को जरूर मिल रहा है? बच्चे कर रहे है नशा-एक पाऊच खा लिया, यहां यह भी गौरतलब है कि प्रशासन ने बच्चों को गुटका विक्रय पर पावंदी लगा रखी है, उसके बाद भी इनके हाथो मे आसानी से गुटका पाऊच पहुंच रहे है। इन बच्चों मे शामिल 8 वर्षीय एक बच्चें ने बताया कि उसके पिता भी कबाड़ बीनते है और उसे भी कबाड बीनने भेज देते है। इसी तरह दूसरे बच्चे दिल्ले ने बताया कि उसके पिता को शराब की आदत है, इसके द्वारा जो पैसा मिलता है वह शराब पी जाता है। इन बच्चों की हालत देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि ऐसे मे इनका क्या भविष्य होगा।

गर्मी के मौसम में इस बार आधुनिक नजर आयेंगे देशी फ्रिज

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। प्रचंड गर्मी के मौसम में कंठों की प्यास बुझाने के लिए आमतौर पर शहरवासी मटकों के पानी का उपयोग करते है। हालत यह है कि हर साल महाशिवरात्रि पर्व बीतने के बाद बाजारों में मटकों की रेंज सजी दिखायी पड़ती है और होली तक तो देशी फ्रिज कहलाने वाले मटकों की मांग में इजाफा हो जाता है। मगर इस साल गर्मी देरी से आने के चलते कुम्हारों के मटकों की कुछ दिनों तक पूछ परख कम रही। मगर अब गर्मी द्वारा अचानक अपना प्रचंण रूप दिखाना शुरू कर दिया गया है। यही कारण है कि शहर के कुंभकारों ने काफी दिन पहले से ही इन मटकों को आकार देकर उनका संग्रह करना शुरू कर दिया था। कामथ वार्ड के कुंभकार परिवार के युवा सदस्यो ने हरिभूमि को बताया है कि हमारे परिवार में पीढ़ियों से मिट्टी के पात्र बनानें का काम होता चला आया है। हमारे हुनर का कमाल है कि जब हम गर्मी के मौसम में हजारों लोंगो की प्यास बुझाने वाले मटकों का निर्माण करते है तो मिट्टी बोलने लगती है तथा उन्हे भरोसा दिलाने लगती है गर्मी के मौसम में उनकी आजीविका अच्छी तरह चलेगी, उन्होंने बताया कि फिलहाल आकर्षक मटके तैयार करने के लिए उन्हे मिट्टी, लकड़ी मिल रही है पर उन्होंने अपना धंधा लाभप्रद बनाने इस वर्ष नया प्रयोग करते हुए आधुनिक डिजाईन के ऐसे मटके निर्मित किये गये है जिनका रूप रंग देखकर इस गर्मी में गरीब, अमीर आश्चर्यचकित रह जाएंगे, रेत के ढेर पर रखने के बाद इन मटकों का पानी फ्रिज के पानी की तरह अत्याधिक ठंडा हो जाएगा। इस तरह गर्मी के मौसम में प्यासों की आत्मा तृप्त करना अपना धर्म बताते हुए नगर के कुम्भकारों का कहना है कि हमारा धंधा साधन हीनता का शिकार होता चला जा रहा है। शासन प्रशासन कुम्भकारों की सुध नही ले रहा है और अभी तक हम कुम्भकारों का संगठन न बनने से कुंभकारो को अपने हक के लिए आवाज नही उठ पा रहे है। इसी परिणाम है कि मिट्टी के वर्तन, मूर्तियॉ बना सबकों सुख देने वाले कुम्भकार संघर्ष पूर्ण जीवन बिताने मजबूर हो रहे है,उन्होंने प्रशासन से गुहार लगाई है कि वह कुम्भकारो को सुविधाएँ देकर अपना धंधे के विस्तार का मौका प्रदान करें।

हूटर लगी गाडियों का खुलेआम हो रहा दुरूपयोग, प्रशासन के नजरअंदाज किये जाने के कारण हो रहे नगरवासी परेशान?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय नगर में आये दिन देखने मिल रहा है कि लोगों द्वारा जहां अपने वाहनों में मनमाने तौर से प्रशर हार्न लगाकर ध्वनि अधिनियम की धज्जियाँ उड़ाई जा रही है? बही दूसरी ओर अनेक लोगों द्वारा अपने चार पाहिया वाहनों में यातायात नियमों को दर किनार करते हुए हूटर लगाकर मनमानी पर उतारू देखे जा रहे है? मगर इस सब में मजेदार बात तो यह है कि इस प्रकार से मनमान तौर से हूटरों का हो रहे दुरूउपयोग को लेकर स्थानीय शासन प्रशासन पूर्ण रूप से नजर अदांज कर रहा है, जिसके चलते नगर में अनेक वाहनों में खुलेआम हूटर देखने मिल सकते है, जबकि हूटर लगाने के लिए मा. न्यायालय व परिवहन विभाग द्वारा नियम कानून बनाये गये है, जिनकी खुलेआम आब्हेलना की जा रही है? वही वाहनों में हार्न लगाने के लिए भी लोगों द्वारा नियमों की अनदेखी की जा रही है, लोगों के वाहनों में लगे हूटर व हार्नो से राहगीरों के लिए परेशानी का सामना तो करना ही पड़ता है, वही स्कूल वाहनों में लगे प्रेशर हार्न से स्कूली बच्चों पर विपरित प्रभाव देखने मिल रहा है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र के कुछ नेताओं द्वारा भी अपने वाहनों में हूटर लगाकर नियमों की अनदेखी करते हुए आये दिन वाहनों के पीछे पुलिस सायरन वाला हूटर बजाकर रौब झाड़ा जाता है।

दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल गाडरवारा
CBSE बोर्ड आधारित, DPIS Org. नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं तक
DPIS
प्रवेश प्रारंभ
विवेकानंद वार्ड, शनि मंदिर के पास, सांईधाम कॉलोनी, गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर
Mob. : 903 9230 199, 722 4021 199 Email- dpsgadarwara@gmail.com

खबर संक्षेप

17 अप्रैल को युवा संगम रोजगार मेला

उमरिया। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन शासकीय आई टी आई उमरिया में 17 अप्रैल किया गया है। युवा संगम रोजगार में विभिन्न कंपनियों व्दारा भाग लिया जाएगा, जिसके माध्यम से युवक, युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

पोषण अभियान अंतर्गत आठवां पोषण पखवाड़ा 23 अप्रैल तक मनाया जाएगा

उमरिया। पोषण अभियान अंतर्गत आठवे पोषण पखवाड़े का आयोजन 23 अप्रैल तक व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से कुपोषण को कम करने के लिए पोषण अभियान का क्रियान्वयन किया जाना है जिसमें महिला एवं बाल विकास के साथ अन्य विभागों कि सहभागिता सुनिश्चित की गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,प्राचार्य पीएमश्री शासकीय रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला आयुष अधिकारी, परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण, परियोजना अधिकारी मबावि परियोजना समस्त से कहा है कि पोषण पखवाड़ा गतिविधि कैलेंडर अनुसार 23 अप्रैल तक महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वय कर कार्यक्रम आयोजित करते हुए प्रतिवेदन महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें । असंगठित क्षेत्र के श्रमिक प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधान योजना का उठाए लाभ

पंजीयन प्रक्रिया करा पात्र श्रमिक ले सकेंगे पेंशन योजना का लाभ

अनूपपुर। भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधान योजना प्रारंभ की गई है जो असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए बुढ़ापे का मजबूत सहारा होगी इस योजना के माध्यम से 60 वर्ष की आयु के बाद हर महीने इस योजना के पंजीकृत श्रमिकों को निश्चित पेंशन रुपए 3 हजार की पेंशन प्राप्त होगी इस योजना के तहत बराबर का योगदान जितना आप जमा करेंगे भारत सरकार उतना ही जमा करेगी पारिवारिक सुरक्षा लाभार्थी की मृत्यु के बाद नामिनी को 50 प्रतिशत पेंशन का लाभ प्राप्त होगा इस संबंध में आप अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर जाकर मानधान पोर्टल पर श्रमिक स्वयं को रजिस्टर करा सकते हैं। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधान योजना का लाभ 18 से 40 वर्ष के बीच के श्रमिक जिनकी मासिक आय 15 हजार या उससे कम हो उठा सकेंगे श्रमिक ईपीएफओ, ईएसआईसी या एनपीएस के सदस्य नहीं होना चाहिए। पंजीयन हेतु आधार कार्ड, बचत बैंक खाता या जनधन खाता, आईएफएससी कोड के साथ तथा मोबाइल नंबर आवश्यक है।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ पर लटका मिला युवक का शव, कामताना ग्राम में सनसनी

अमानगंज। थाना क्षेत्र अंतर्गत कामताना ग्राम में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ पर लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान भोला आदिवासी (22 वर्ष), पिता नंदलाल आदिवासी, निवासी कामताना के रूप में हुई है, जो बीती रात से लापता बताया जा रहा था। जानकारी के अनुसार गांव के पास स्थित पेड़ों की नर्सरी में सागौन के पेड़ से युवक ने फांसी लगा ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए पंचनामा तैयार किया। इसके बाद गुरुवार की दोपहर 2:00 शव को पोस्टमार्टम के लिए अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा।

शिक्षकों ने चलाया संपर्क अभियान, बच्चों को शाला लाने का दिया संदेश

पन्ना (पवई)। शासकीय माध्यमिक शाला नारायणपुरा के शिक्षकों ने गुरुवार को संपर्क अभियान चलाकर ग्राम के घर-घर जाकर अभिभावकों से संपर्क किया। इस दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी और बच्चों को नियमित रूप से शाला भेजने के लिए प्रेरित किया। शिक्षक सतानंद पाठक ने अभिभावकों को बताया कि निःशुल्क पाठ्य पुस्तक, गणवेश, मध्याह्न भोजन और छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएँ शाला में उपलब्ध हैं।

डिंडौरी में अवैध शराब पर बड़ी कार्रवाई 101 लीटर शराब और कार जब्त, आरोपी गिरफ्तार

डिंडौरी

जिले में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मध्यरात्रि में कार्रवाई करते हुए 101 लीटर से अधिक अंग्रेजी शराब और एक बलेनो कार सहित करीब 12 लाख 26 हजार रुपये की सामग्री जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा के मार्गदर्शन और एसडीओपी सतीश द्विवेदी के नेतृत्व में जिलेभर में अवैध नशे के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 9 और 10 अप्रैल की रात को कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि जबलपुर रोड से एक सिल्वर रंग की बलेनो कार में भारी मात्रा में अवैध शराब डिंडौरी लाई जा रही है।

सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मस्जिद मोहल्ला क्षेत्र में घेराबंदी कर वाहन को रोका। तलाशी के दौरान कार से 12 पेटियों में रखी 101 दशमलव 880 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई। मौके से आरोपी अर्पित चौकसे उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम कछराटोला थाना करनपठार को गिरफ्तार किया गया।कार्रवाई के दौरान बलेनो कार जिसकी कीमत लगभग 10 लाख रुपये है दो मोबाइल फोन जिनकी कीमत लगभग 1 लाख 30 हजार रुपये है नगद 1700 रुपये और 12 पेटी अंग्रेजी शराब जिसकी कीमत लगभग 94888 रुपये है जब्त की गई।पुलिस के अनुसार आरोपी से शराब के स्त्रोत और नेटवर्क के संबंध में पूछताछ जारी है जिससे अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों का खुलासा होने की संभावना है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक दुर्गा प्रसाद नगपुरे के नेतृत्व में पुलिस टीम के अधिकारियों और जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।डिंडौरी पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अवैध नशे से जुड़ी किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि समाज को नशामुक्त बनाने का अभियान सफल हो सके।

सामुदायिक स्वच्छता परिसर वर्षों से अपूर्ण परंतु भुगतान पूर्ण

अमरपुर। शासन द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छता अभियान के तहत कहीं पर एक तो कहीं.कहीं पर दो सामुदायिक स्वच्छता परिसर का निर्माण कार्य कराया गया हैं। जोकि सिर्फ और सिर्फ मात्र दिखावा बनकर रह गए हैं। जिनका अभी तक उपयोग ही नहीं हो सका हैं। कारण की स्वच्छता परिसर निर्माण होते ही उनमें ताला जड़ दिया गया हैं। जो शायद निर्माण कार्य उपरांत ताला खुला ही नहीं हैं। यह बाहर से दिखने में तो पूर्ण हैं परंतु अंदर कार्य शेष हैं। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत धनवासी में दो सामुदायिक स्वच्छता परिसर निर्मित हैं। जोकि अभी तक बंद पड़े हुए हैं। जिस पर ग्रामीणों का आरोप हैं कि हाई स्कूल के पास बने स्वच्छता परिसर में अंदर टाइल्स वगैरह लगाने का कार्य शेष हैं। वहीं पर पंचायत द्वारा पूरी राशि का आहरण कर लिया गया हैं। तब से ही ताला बंद कर दिए हैंए जो अभी तक खुला ही नहीं हैं। जबकि यह स्वच्छता परिसर विद्यालय परिसर में निर्मित हैं। जिसे उपयोग के लिए खोला जाना चाहिए। ऐसे ही स्थिति पूरे जनपद पंचायत क्षेत्र में निर्मित हैं जनपद पंचायत क्षेत्र के अनेक ग्राम पंचायतों में भी कुछ ऐसा ही हाल व्याप्त हैं जोकि आसानी से देखा जा सकता हैं। इस संबंध में ग्रामीणों का कहना हैं कि स्वच्छता परिसर का उपयोग ही नहीं हो पा रहा हैं। तो फिर क्या यह स्वच्छता परिसर शासन द्वारा मात्र दिखावा के लिए बनाएं गए हैं। शासन द्वारा प्रदत्त राशि का व्यय होने के बावजूद भी यह स्वच्छता परिसर जन उपयोग में नहीं आ पा रहे हैं। इस प्रकार सामुदायिक स्वच्छता परिसर का निर्माण कार्य ग्रामीणों द्वारा औचित्यहीन ही महसूस किया जा रहा हैं।

जैविक खेती और नशामुक्ति का संदेश लेकर ढोंढ़ा में हुआ भ्रमण कार्यक्रम

डिंडौरी। खेती को पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य से जोड़ते हुए ढोंढ़ा स्थित राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत संचालित जैव आदान संसाधन केन्द्र और नर्मदांचल गौ सेवा समिति में विशेष भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जैविक खेती के महत्व को समझाना और किसानों को आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में प्रेरित करना रहा।भ्रमण के दौरान नवांकुर संस्था जनजीवन कल्याण समिति बिछिया के अध्यक्ष अजय ठाकुर भारतीय किसान संघ के जिला जैविक आयाम प्रमुख तरुण परस्ते और शिवनिल नशा मुक्ति एवं मनोचिकित्सा केंद्र डिंडौरी के प्रतिनिधि देवराज सहित अन्य प्रतिभागियों ने केन्द्र का अवलोकन कर जैविक खेती की प्रक्रियाओं को नजदीक से समझा।इस अवसर पर जिले के प्रख्यात जैविक कृषि विशेषज्ञ बिहारी लाल साहू ने प्राकृतिक खेती के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि जैविक खेती से मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है और रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों से पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की रक्षा की जा सकती है। उन्होंने जीवामृत घनजीवामृत बायोडाइजेस्टर और प्राकृतिक कीटनाशकों के उपयोग की जानकारी दी तथा अपने फार्म पर जैविक खेती का लाइव प्रदर्शन कर किसानों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

कार्यक्रम के दौरान बायोडाइजेस्टर तकनीक के माध्यम से जैविक अपशिष्ट से बायोगैस और तरल खाद निर्माण की प्रक्रिया भी समझाई गई। उल्लेखनीय है कि बिहारी लाल साहू पिछले 10 वर्षों से जैविक खेती के क्षेत्र में कार्य करते हुए जिले के हजारों किसानों विद्यार्थियों और संस्थाओं को प्रशिक्षण दे रहे हैं।शिवनिल नशा मुक्ति एवं मनोचिकित्सा केंद्र के प्रतिनिधि देवराज ने उपस्थित किसानों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि नशा व्यक्ति परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि जैविक खेती जैसे सकारात्मक कार्य युवाओं को नशे से दूर रखने में सहायक हो सकते हैं। केंद्र द्वारा नशा पीड़ितों को काउंसलिंग उपचार और पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने गौशाला जैविक खाद निर्माण इकाई फसल क्षेत्र बायोडाइजेस्टर और प्रशिक्षण कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने ढोंढ़ा में विकसित इस जैविक खेती मॉडल की सराहना करते हुए इसे प्रदेश के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया।अंत में सभी प्रतिभागियों ने जैविक खेती को बढ़ावा देने किसानों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराने और युवाओं को नशामुक्त और स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करने का संकल्प लिया।

मध्य प्रदेश में अवैध स्टोन क्रेशर मामले पर जांच के लिए संयुक्त समिति गठित

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण ;छळज्द्ध की भोपाल स्थित केंद्रीय पीठ ने सम्यक जैन द्वारा अधिवक्ता प्रतीक गिरी गोस्वामी के माध्यम से दायर याचिका पर संज्ञान लेते हुए मध्य प्रदेश के डिंडोरी जिले में संचालित एक कथित अवैध स्टोन क्रेशर के मामले को गंभीर पर्यावरणीय मुद्दा माना है।याचिका के अनुसारए किसलपुरी गांव ;खसरा नंबर 646 एवं 658द्ध में कृषि भूमि पर बिना वैध भूमि उपयोग परिवर्तन ;डायवर्जनद्ध के स्टोन क्रशर संचालित किया जा रहा है। साथ ही उक्त इकाई के पास वायु ;प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रणद्ध अधिनियम 1981 तथा जल ;प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रणद्ध अधिनियम 1974 के तहत आवश्यक कंसेंट टू एस्टैब्लिश और कंसेंट टू ऑपरेट जैसी अनिवार्य अनुमतियां नहीं हैं जहां आवश्यक होए वहां पर्यावरण संरक्षण अधिनियमए 1986 के तहत पर्यावरणीय स्वीकृति भी प्राप्त नहीं की गई है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि इस अनियंत्रित संचालन के कारण क्षेत्र में गंभीर पर्यावरणीय क्षति हुई है। इसमें वायु एवं ध्वनि प्रदूषण अत्यधिक धूल का उत्सर्जन आसपास की कृषि भूमि को नुकसान तथा भूजल स्तर पर प्रतिकूल प्रभाव शामिल हैं स इसके साथ ही स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर खतरे की आशंका जताई गई है।पमामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकरण ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय प्रश्न उठाता है। अधिकरण ने यह भी टिप्पणी की कि यदि आरोप सही पाए जाते हैंए तो यह प्रिकॉशनरी प्रिंसिपल तथा पोल्यूटर पेज प्रिंसिपल जैसे स्थापित पर्यावरणीय सिद्धांतों का उल्लंघन है जो पर्यावरणीय नुकसान को रोकने और प्रदूषक को जवाबदेह ठहराने पर बल देते हैं।

अधिकरण ने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं जिला प्रशासन की भूमिका पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में कार्रवाई न करना वैधानिक कर्तव्यों की उपेक्षा माना जा सकता है।मामले की जांच के लिए अधिकरण ने एक संयुक्त समिति का गठन किया हैए जिसमें जिला कलेक्टर डिंडोरीए भूविज्ञान एवं खनन विभाग तथा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल होंगे। समिति को स्थल निरीक्षण कर छह सप्ताह के भीतर विस्तृत तथ्यात्मक एवं कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।आवेदक को निर्देश दिया गया है कि वह याचिका की प्रतियां सभी प्रतिवादियों एवं समिति को उपलब्ध कराएए जबकि प्रतिवादियों को छह सप्ताह के भीतर ई.फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से अपना जवाब दाखिल करना होगा।मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई 2026 को निर्धारित की गई है।

मातृ और शिशु पोषण पर जोर डिंडोरी में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

डिंडौरी। महिला और बाल विकास विभाग डिंडोरी द्वारा 8वें पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत 10 अप्रैल की थीम मातृ और शिशु पोषण पर केंद्रित विविध गतिविधियों का प्रभावी संचालन किया गया। इस अवसर पर वीएचएसएनडी के तहत जिलेभर में गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया।इन शिविरों में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाएं धात्री माताएं और छोटे बच्चे शामिल हुए। स्वास्थ्य विभाग और आंगनवाड़ी के संयुक्त प्रयासों से गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच हीमोग्लोबिन परीक्षण वजन मापन रक्तचाप जांच और टीकाकरण जैसी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। वहीं बच्चों के लिए नियमित टीकाकरण वजन और लंबाई मापन के माध्यम से उनके

पोषण स्तर का आकलन किया गया।कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा मातृ और शिशु पोषण के महत्व पर विशेष मार्गदर्शन दिया गया। महिलाओं को संतुलित आहार आयरन फोलिक एसिड की गोलियों के नियमित सेवन स्तनपान के महत्व तथा पूरक आहार की सही जानकारी प्रदान की गई। साथ ही कुपोषण से बचाव और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा सहयोगिनियों ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए हितग्राहियों को शिविर तक लाने और योजनाओं का लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। गांव गांव में जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से पोषण के प्रति सकारात्मक संदेश प्रसारित किया गया।महिला और बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पोषण पखवाड़ा के तहत आयोजित ये गतिविधियां मातृ और शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इस पहल से न केवल कुपोषण में कमी आएगी बल्कि स्वस्थ समाज के निर्माण में भी सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन से जिले में स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल रही है जिससे सुपोषित डिंडोरी की दिशा में सकारात्मक प्रगति हो रही है।

डिंडौरी वनमंडल में टाइगर एस्टिमेशन 2026 के लिए कैमरा ट्रैपिंग शुरू

डिंडौरी। वनमंडल डिंडौरी सामान्य के अंतर्गत ऑल इंडिया टाइगर एस्टिमेशन 2026 के लिए कैमरा ट्रैपिंग प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस अभियान के तहत वन्यजीवों की अधिकता वाले वन क्षेत्रों में कैमरा ट्रैप स्टेशन स्थापित किए गए हैं जहां 25 दिनों तक निरंतर वैज्ञानिक पद्धति से वन्यप्राणियों की गतिविधियों का डेटा संकलित किया जाएगा।जिले में स्थित कान्हा अचानकमार कॉरिडोर जो दक्षिण समनापुर बजाग पश्चिम करंजिया और पूर्व करंजिया वन परिक्षेत्रों से होकर गुजरता है एक महत्वपूर्ण वन्यजीव गलियारा है। यह क्षेत्र कान्हा लैंडस्केप का प्रमुख हिस्सा माना जाता है और वन्यजीवों के आवागमन में अहम भूमिका निभाता है।एआईटीई 2026 के अंतर्गत 100 ग्रिड का ब्लॉक बनाकर विभिन्न स्थानों पर कैमरा ट्रैप स्टेशन स्थापित किए गए हैं। इस व्यापक गणना अभियान में कान्हा टाइगर रिजर्व द्वारा विशेष निगरानी और तकनीकी सहयोग प्रदान किया जा रहा है जिससे डेटा संग्रहण की प्रक्रिया अधिक सटीक और प्रभावी बन सके।

डिंडोरी में डॉ अंबेडकर जयंती सप्ताह पर चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिताएं

डिंडोरी । डॉ भीमराव रामजी अंबेडकर जयंती सप्ताह के अंतर्गत जिले के सभी विद्यालयों में चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए डॉ अंबेडकर के जीवन उनके विचार संविधान निर्माण में उनके योगदान और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर आकर्षक चित्र और रंगोलियां प्रस्तुत कीं।

प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में डॉ अंबेडकर के आदर्श समानता शिक्षा और सामाजिक न्याय के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना रहा। विद्यार्थियों की कलाकृतियों में उनके विचारों की स्पष्ट झलक दिखाई दी।विद्यालयों में आयोजित इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को संविधान के मूल्यों को समझने और उन्हें अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।जिला प्रशासन की यह पहल विद्यार्थियों में जागरूकता और सृजनात्मकता के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न सिकल सेल जांच अभियान को मिलेगा बल

डिंडौरी । जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने गर्भवती महिलाओं के पंजीयन और प्रथम तिमाही पंजीकरण एनीमिया तथा पीआईएच प्रबंधन पोषण पुनर्वास केंद्रों की बेड ऑक्यूपेंसी और बच्चों के सफल डिस्चार्ज सिकल सेल जांच और उपचार होम विजिट बाल एमआरटीयू मातृ मृत्यु टीबी स्क्रीनिंग और जांच प्रतिशत तथा निश्चय पोषण बास्केट वितरण की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग और बीओसीडब्ल्यू श्रेणी के आयुष्मान कार्ड निर्माण तथा टीकाकरण में शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए।बैठक में कलेक्टर ने

सिकल सेल एनीमिया जांच को बढ़ावा देने के लिए डॉ भीमराव अंबेडकर स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। इसके तहत विकासखंड बजाग के ग्राम चाड़ा में शुक्रवार जल्दा में करंजिया के गोपालपुर में बुधवार पंडरीपानी में रविवार शहपुरा के बिछिया में मंगलवार पलकी में बुधवार मेंहदवानी के कनेरी में बुधवार ग्राम राई में शनिवार और अमरपुर के चंद्रागढ़ में गुरुवार डिंडौरी विकासखंड के ग्राम जमगांव में बुधवार तथा समनापुर विकासखंड के ग्राम मानिकपुर में मंगलवार को शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने सभी बीएमओ और सीएमएचओ को निर्देश दिए कि अगली बैठक में शिविरों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

कलेक्टर ने जिले में उपभोक्ताओं की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले की सभी दवा दुकानों और संबंधित प्रतिष्ठानों की नियमित और सघन जांच की जाए। निरीक्षण के दौरान दवाइयों की गुणवत्ता एक्सपायरी डेट भंडारण व्यवस्था और निर्धारित नियमों के पालन की विशेष जांच करने के निर्देश दिए गए। किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।बैठक में मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज पांडे सिविल सर्जन डॉ रमेश मरावी सभी बीएमओ खाद्य सुरक्षा अधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

श्रीमद् भागवत कथा में भगवान की बाल लीलाएं

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नगर के स्टेशन क्षेत्र खुशी नगर पटेल वार्ड में श्रीमद भागवत का आयोजन 5 अप्रैल से किया जा रहा है। एवं हवन भंडार 11 अप्रेल को होगा। कथा के चतुर्थ दिवस में भगवान श्री कृष्ण का जन्म उत्सव बड़ी धूम धाम से मनाया गया। कन्हैया के जन्मोत्सव में सभी श्रोताओं ने नाच गाने के साथ बधाई दी एवं पंचम दिवस में भगवान की बाल लीलाओं का बर्णन कथा वाचक, पंडित सुरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी के मुखारविंद से रसपान कराई जाएगी जिसमें कथा का समय दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा एवं मुख्य यजमान के रूप में पार्वती बाई सराठे, प्रशांत, नेहा सराठे, वैष्णवी, ओम सराठे परिवार उपस्थित रहे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के आयोजन को लेकर रखी मांग

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस विभिन्न संगठनों द्वारा 14 अप्रैल को मनाई जाने वाली डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के आयोजन स्थल को लेकर प्रशासन के समक्ष अपनी मांग रखी है। समाज के प्रतिनिधियों ने जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र नागेश को कलेक्टर के नाम ज्ञापन देकर कार्यक्रम प्रतिमा स्थल पर ही कराने का आग्रह किया। अहिरवार समाज संघ के जिलाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के अनुयायी चाहते हैं कि शासन द्वारा आयोजित होने वाला मुख्य कार्यक्रम शहर के डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क स्थित प्रतिमा स्थल पर ही हो।

गेहूं उपार्जन व संचालन हेतु कार्यशाला सम्पन्न

जिले में बनाए 53 खरीदी केन्द्र

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। रबी विपणन वर्ष 2026- 27 अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की पूर्व तैयारियां, पी.सी.एस.ए.पी. पोर्टल में खरीदी केन्द्रों में उपलब्ध भौतिक एवं मानव संसाधन की प्रविष्टियां तथा गेहूं की गुणवत्ता जांच के संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी देवेन्द्र कुमार खोबरिया की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भारतीय खाद्य निगम के गुणवत्ता नियंत्रक, आर.बी. ऐसोसिएट्स के सर्वेयर, गेहूं खरीदी केन्द्रों तथा उपार्जन से संबंधित सभी विभागों के मैदानी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री खोबरिया ने कार्यशाला में बताया कि जिले में गेहूं उपार्जन के लिए शासन द्वारा 69 खरीदी केन्द्रों का लक्ष्य आवंटित हुआ है, जिसमें से सहकारी समितियों के 53 खरीदी केन्द्र बनाए गए है।समूह ग्राम संगठनों को आवंटित करने के लिए 16 खरीदी केन्द्रों का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। उन्होंने बताया कि शासन से इस वर्ष गेहूं का समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल एवं राज्य सरकार का अतिरिक्त बोनस 40 रुपये इस तरह किसानों से 2625 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से गेहूं की खरीदी की जावेगी। जिला आपूर्ति अधिकारी ने निर्देश दिए कि खरीदी केन्द्रों में उपार्जन से संबंधित भौतिक संसाधन जैसे कम्प्यूटर सिस्टम, लेपटॉप, इंटरनेट, विद्युत व्यवस्था इनवेटर, माश्चर मशीन, पर्याप्त इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे, गेहूं की गुणवत्ता परीक्षण के लिए आवश्यक उपकरण किट, ग्रेडिंग मशीन, पंखे, छन्ने स्पेंसिल, किसान टैग पर्ची, सिलाई मशीन, मानव संसाधन में खरीदी प्रभारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर, हिम्माल-तुलावटी, सुरक्षाकर्मी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। खरीदी केन्द्रों में आवश्यक सुविधाएं जैसे किसानों के बैठने व छाया, पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ये सभी आवश्यक व्यवस्थाएं आगामी 15 अप्रैल 2026 के पूर्व सुनिश्चित किए जाएं।

नागरिक आपूर्ति निगम को निर्देशित किया गया कि बारदाने की उपलब्धता अनुसार सभी खरीदी केन्द्रों में प्रथम 10 दिन अनुमानित खरीदी के बराबर बारदानें भिजवाना सुनिश्चित करें। सभी खरीदी केन्द्रों में फ्लेक्स-बैनर उपलब्ध कराए जाएं। गुणवत्ता परीक्षण के लिए सर्वेयर की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, सहकारिता विस्तार अधिकारी, शाखा प्रबंधक वेयर हाउस व नागरिक आपूर्ति निगम के प्रदाय केन्द्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि गेहूं उपार्जन के पूर्व 15 अप्रैल 2026 तक सभी खरीदी केन्द्रों के वेयर हाउस गोदामों का निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित कराएं कि पूर्व से किसी भी किसान गोदाम मालिक या अन्य व्यक्ति का गेहूं स्कंध संग्रहण न रहे। खरीदी केन्द्र वेयर हाउसों में उपार्जन संबंधित व्यवस्थाए उपलब्ध रहे एवं यह सुनिश्चित कराएं कि स्लॉट बुकिंग क्रम अनुसार ही किसानों का खरीदी केन्द्रों में उपार्जन किया जाए। खरीदी केन्द्रों में एफ.ए.क्यू. गुणवत्ता के आधार पर 15 अप्रैल 2026 से गेहूं उपार्जन का कार्य सुचारू रूप से संचालित हो।

जिला प्रबंधक एम.पी.डब्ल्यू.एल.सी. को निर्देशित किया गया कि सभी गोदाम स्तरीय खरीदी केन्द्रों के गोदामों में संचालक द्वारा किसानों को मूलभूत सुविधाएं व आवश्यक संसाधनों और सी.सी.टी.व्ही. की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। जिन गोदामों के लायसेंस नवीनीकरण नहीं हुए हैं एवं जे.व्ही.एस. योजना के तहत पोर्टल में ऑनलाइन ऑफर नहीं हुए हैं, ऐसे सभी गोदामों का शीघ्र लायसेंस नवीनीकरण एवं जे.व्ही.एस. योजना के तहत ऑफर की कार्यवाही पूर्ण कराएं। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री खोबरिया ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि ई-उपार्जन पोर्टल में स्लॉट बुकिंग के लिए पोर्टल चालू होने पर नियमानुसार स्टॉल बुकिंग करें, अपना गेहूं विक्रय के लिए गेहूं स्कंध की घर से ही साफ-सफाई करके एफ.ए.क्यू. गुणवत्ता का ही गेहूं विक्रय के लिए आवंटित दिनांक को खरीदी केन्द्र स्थल में उपार्जन लेकर पहुंचे। इससे किसानों को सहूलियत से केन्द्र में एफ.ए.क्यू. गुणवत्ता के मापदंड अनुरूप समर्थन मूल्य पर उपज का विक्रय हो सके। प्रशिक्षण में भारतीय खाद्य निगम के अधिकारियों के द्वारा खरीदी केन्द्र के प्रबंधक, प्रभारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं आर.बी. एसोसिएट्स के सर्वेयरों को गेहूं की गुणवत्ता की जांच करने का प्रशिक्षण दिया गया।

आस्था, सेवा व समर्पण का स्वरूप, छुट्टी के समय किया परिश्रम

कार्यालय में पुनः जगमग हुआ संकटमोचन धाम

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। मन में मंदिर और हृदय में भगवान का वास होता है ऐसा धार्मिक ग्रंथों मे कहा जाता है। जब मन में किसी कार्य को करने के लिए इच्छा जागृत होती है तो उसे पूरा करने के लिए ईश्वर शक्ति भी प्रदान करता है। ईश्वर की भक्ति मानव की आस्था की प्रतीक होती है। ऐसा ही मामला जिला मुख्यालय स्थित पुराने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का सामने आया जहां पर वर्षो से बना हुआ संकट मोचन हनुमान जी महाराज का मंदिर देखरेख ना होने के कारण जीर्ण शीर्ण हो रहा है। जबकि एक समय था जब कार्यालय लगता था तब आला अधिकारी आने व जाने के समय श्री हनुमान जी महाराज के दरबार पर भी अपनी हाजिरी लगाते थे। हालांकि बीएसी ब्रजेश नेमा की लगन व मेहनत से अब

मंदिर को पुनः नया स्वरूप मिला है। बताया गया कि श्री नेमा द्वारा कार्यालय बंद होने के बाद एवं अवकाश दिन भी मंदिर मे अपना पूरा परिश्रम किया तथा आवश्यकता होने पर सामग्री का क्रय भी निजी व्यय वर किया गया। श्री नेमा के परिश्रम के कारण अधिकारी कर्मचारियों द्वारा पूर्व की तरह आने व जाने की हाजिरी संकट मोचन श्री हनुमान जी महाराज के दरबार पर लगाई जाने लगी है।

उपेक्षा का हुआ था शिकार

पुराने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्थित श्री हनुमान जी महाराज का मंदिर जिम्मेदारों की उपेक्षा के कारण जीर्ण शीर्ण हो गया था। लेकिन कहते है जहां सच्ची श्रद्धा होती है वहां सेवा स्वंय मार्ग खोज लेती है। लेकिन जब भक्ति सच्ची हो, तो संकटमोचन स्वयं मार्ग प्रशस्त करते हैं। जनपद शिक्षा केंद्र नरसिंहपुर के कार्यालय के स्थानांतरित होने के पश्चात बीएसी ब्रजेश नेमा के मन में मंदिर सेवा का भाव जागृत हुआ। उन्होंने कार्यालय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी चरण मेहरा के साथ मिलकर न केवल मंदिर की व्यापक साफ-सफाई की, बल्कि रंग-रोगन कर उसे पुनः दिव्य और आकर्षक स्वरूप प्रदान किया। उक्त पहल मात्र एक सफाई अभियान नहीं, बल्कि आस्था, सेवा और समर्पण का जीवंत उदाहरण बन गई। श्री नेमा इस पुण्य कार्य को संकटमोचन हनुमान जी महाराज की कृपा मानते हैं। उक्त संबंध में विकासखंड स्रोत समन्वयक ओ.पी. राय ने बताया कि इसे केवल कार्य न मानकर ईश्वर सेवा के रूप में पूरी निष्ठा और समर्पण से निभाया। मंदिर पुनः स्वच्छ, सुंदर और श्रद्धा से ओत-प्रोत दिखाई देता है मानो संकटमोचन की कृपा से आस्था का दीप फिर से प्रज्वलित हो उठा हो।

सौरभ सिंह को मिला बेस्ट एंपायर अवार्ड

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के सौरभ सिंह राजपूत ने आल इंडिया हॉकी प्रसिडेंट अवार्ड में शानदार उपलब्धि हासिल की। दिल्ली में आयोजित इस प्रतिष्ठित समारोह में उन्हें बेस्ट अंपायर और बेस्ट अंपायर मैनेजर के सम्मान से नवाजा गया। भारत सरकार के खेल एवं युवा मामलों के मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, हॉकी इंडिया अध्यक्ष पद्मश्री दिलीप तिर्की एवं सचिव भोलानाथ सिंह के करकमलों से प्राप्त यह सम्मान उनकी निष्पक्षता, उत्कृष्ट निर्णय क्षमता और खेल के प्रति समर्पण का प्रमाण है। प्रशस्ति पत्र एवं 2.50 लाख की पुरस्कार राशि के साथ मिला यह सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि पूरे जिले के खेल जगत को गौरवान्वित करने वाली उपलब्धि है। सौरभ की यह सफलता युवा खिलाड़ियों एवं अंपायरों के लिए प्रेरणा बनकर उभरी है, जो यह दर्शाती है कि मेहनत, ईमानदारी और लगन से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई जा सकती है। जिले के खेल प्रेमियों, गणमान्य नागरिकों बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

महिला परिषद का भव्य शपथ ग्रहण समारोह, नई कार्यकारिणी ने संभाला दायित्व

गोटेगांव। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद, यशोदा संभाग के अंतर्गत शपथ ग्रहण समारोह भव्य एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर वर्षा राजीव जैन को महिला परिषद की प्रथम संभाग अध्यक्ष बनने का गौरव प्राप्त हुआ इस उपलब्धि पर उपस्थित सभी बहनों ने हर्ष व्यक्त किया।अपने उद्बोधन में संभागीय अध्यक्ष ने कहा— "हम सब मिलकर ही परिषद हैं", और सभी के सहयोग और उपस्थिति की सराहना की ।कार्यक्रम में परिषद के प्रांत से पधारे मुख्य अतिथियों में शपथ ग्रहण अधिकारी मंजू जैन, प्रांतीय विशिष्ट अधिकारी साक्षी जैन एवं सीमा जैन, शाखा संस्थापिका व पूर्व संभागीय अध्यक्ष सविता जैन सहित सभी ट्रस्टियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम का सफल संचालन परिधि एवं अंकिता द्वारा किया गया, जिन्होंने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। वहीं मुस्कान द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण एवं दीपाली, आरती, निकिता व तनिष्का के स्वागत नृत्य ने समारोह को आकर्षक और उत्साहपूर्ण बना दिया। शोभना ने परिषद पर बहुत सुंदर कविता प्रस्तुत की। इस अवसर पर संभाग अध्यक्ष वर्षा जैन सहित सभी बहनों ने नवीन कार्यकारिणी में शीतल जैन, मोनिका जैन एवं मोना जैन को क्रमशः अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष पद हेतु शुभकामनाएँ प्रदान कीं। साथ ही ऋचा जैन एवं शालिनी जैन को प्रांतीय चेयरपर्सन बनने पर हार्दिक बधाई दी गई।परिषद की संरक्षिका इंदु जैन, सची जैन, ऋचा रौनक जैन प्रीति सराफ सहित आरती जैन, निधि,, लता, पिंकी, सपना, अन्नू जैन, भारती, ऋतु, संगीता, प्रियंका, रिया, रुचि, रानू, वैशाली, प्रवीणा, मोना, पूजा, सपना एवं समस्त बहनों की सक्रिय व उत्साहपूर्ण सहभागिता विशेष रूप से सराहनीय रही। सभी के सहयोग से समारोह अत्यंत सफल, गरिमामय एवं प्रेरणादायक रूप से संपन्न हुआ।

श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान की धूम दूर दूर से पहुंच रहे श्रद्धालु

तेंदूखेड़ा इन दिनों समीपी ग्राम डोभी में श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन चल रहा है ।जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय और क्षेत्रीय सकल दिगम्बर जैन समाज के साथ सभी वर्गों के लोग दर्शन करने पहुंच रहें हैं। दिगम्बर जैन समाज डोभी के सभी स्वजातीय श्री जी की अराधना में लीन हैं। प्रतिदिन अभिषेक शांति धारा पूजन एवं अर्ध समर्पित किए जा रहे हैं। रात्रि में मंदिर जी में महा आरती और ब्रह्मचारी नरेश भैया के प्रवचन चल रहे हैं।बाहर से आई संगीत मंडली द्वारा संगीत मय महाआरती में श्रद्धालु झूमने मजबूर हो जाते हैं। रात्रि में ही मैना सुंदरी का नाटक एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जैन समाज के साथ सभी वर्गों के लोग इस आयोजन में पहुंच कर धर्म लाभ ले रहे है। इस आयोजन में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ सिहोरा तेंदूखेड़ा राजमार्ग एवं आस पास क्षेत्रों की जैन समाज सम्मिलित हो कर धर्म लाभ ले रही है।

ट्रेक्टर पलटने से 37 वर्षीय युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस ठेमी थाना अंतर्गत झामर निवासी शिवकुमार लोधी पिता हेमंत लोधी उम्र 37 वर्ष अपने ट्रेक्टर से स्वयं के खेत में सुबह साढ़े 8 बजे गन्ने की जुताई का कार्य कर रहा था तभी अचानक अनियंत्रित होकर ट्रेक्टर पलटने से दर्दनाक हादसा हो गया और ट्रेक्टर की चपेट में आने से उसे गंभीर हालत में परिजनों द्वारा निजी वाहन से जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। वहीं शव का जिला अस्पताल में अस्पताल चैकी पुलिस ने मर्ग प्रकरण कायम कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानियों पर अंकुश लगाने की जरूरत

अविभावकों से वसूलते हैं मनमानी राशि

तेंदूखेड़ा। उत्कृष्ट शिक्षा की आड़ में कमाई का जरिया बन बैठी प्राइवेट स्कूलों की मनमानियों पर अंकुश लगाने की मांग क्षेत्रीय अविभावकों द्वारा की गई है। विगत एक अप्रेल से सरकारी स्कूलों के साथ प्राइवेट स्कूल भी खुल गये हैं। छात्रों को पुस्तकों को सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि यहां पर यह देखने को मिलती हैं कि प्राइवेट स्कूल निजी प्रकाशनों की जो भी बुक्स चलाते हैं वह काफी मंहगी हुआ करतीं हैं और खुले मार्केट में मिलने की बजाय केवल स्कूलों में ही रखतें हैं। जिसमें प्रकाशनों की सांठगांठ से मोटी कमाई किया करते हैं।यही स्थिति स्कूल ड्रेस में बनी हुई है।हर साल ड्रेस और बुक्स बदलना संचालकों की आदतों में आ गया है।हर साल एडमिशन फीस लेने के साथ पढ़ाई शुल्क भी बढ़ता चला जा रहा है। जबकि शिक्षकों को दैनिक मजदूरी से भी कम राशि मानदेय के रुप में मुहैया कराई जाती है। कुछ ऐसी भी संस्थायें है जो निर्धारित मापदंडों का पालन नहीं कर पाने के कारण उनकी संस्थाओं में ताला डलने की नौबत आ गई लेकिन इन स्कूलों में पूर्व से अध्ययनरत छात्रों को दूसरी कक्षाओं में प्रवेश लेने में परेशानी आ रही है।

गैस किट वाले वाहनों पर नहीं लगा विराम

तेंदूखेड़ा क्षेत्र में संचालित प्राइवेट स्कूलों में छात्रों को लाने ले जाने में गैस किट वाले वाहनों को लगाकर रखा गया है। जिनमें क्षमता से अधिक बच्चों को भरकर ले जाते हैं। विगत वर्ष घटित विभिन्न घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए छापामार शैली में परिवहन अधिकारियों द्वारा दबिश दी गई थी अधिकांशत बाहनों पर जुर्माना के साथ नियमानुसार गैस किट रहित बाहनों के संचालन की हिदायतें दी गई थी कुछ स्कूलों में तो सुधार हो गया था लेकिन कुछ स्कूलों और मारुति बैन संचालकों की मनमानी अभी हाबी है जो प्रभावशाली वर्ग की धौंस देकर नौनिहालों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया करतें हैं।इस वर्ष ऐसे वाहनों पर सख्ती से कार्रवाई की मांग क्षेत्रीय अविभावकों द्वारा की गई है।

इनका कहना है

स्कूलों के संचालकों को नोटिस भेजकर और बाहनों का औचक निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई समय समय पर की जाती रहती है और यदि किसी भी प्रकार का वाहन नियम विरुद्ध चलाते पाया जायेगा तो उस पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।

श्रीमति ममता तिवारी
यातायात निरीक्षक

स्कूलों में यदि संचालकों की मनमानी पुस्तकों या शुल्क को लेकर सामने आयेगी अविभावकों द्वारा शिकायतें आयेंगी तो निश्चित तौर पर निष्पक्ष रुप से जांच कर संचालकों पर दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी ।

पंचम सिंह मरावी
ब्लाक शिक्षा अधिकारी

हनुमान मंदिर चोरी का जायजा लेने पहुंचे जिला पुलिस अधीक्षक

तेंदूखेड़ा। विगत दिनों नगर के मध्य स्थित श्रीराम रसिया हनुमान मंदिर दादा दरबार में हुई चोरी का जायजा लेने स्वयं जिला पुलिस अधीक्षक डा ऋषिकेश मीणा पहुंचे और उन्होंने भरोसा दिलाया है कि शीघ्र ही चोरों को पकड़ लिया जायेगा अलग-अलग टीमें तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पतासाजी में जुटी हुई हैं। हनुमान मंदिर के उपरांत मंडी रोड स्थित श्री सुब्रतनाथ भगवान नवीन दिगम्बर जैन मंदिर में भी जाकर वहां का भी मुआयना किया। और जहां जहां चोरों ने ताले तोड़ने के प्रयास किए वस्तुस्थिति को देखा और अपने अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गौरतलब रहे कि श्री हनुमान मंदिर से चोर दो चांदी के छत्र एवं एक मुकुट कुछ नगदी राशि ले गये हैं साथ ही जैन मंदिर में भी ताले तोड़कर चोरी का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो सके वहां से भाग निकले उसके बाद हनुमान मंदिर में चोरी करने में सफल हो गए।घटना के बाद से ही पुलिस पूरी तत्परता से साक्ष्यों साइबर सेल फिंगरप्रिंट अन्य तकनीकी माध्यम से चोरों तक पहुंचने में जुटी हुई है।

सीसीटीवी कैमरे लगाने पर जोर

हनुमान मंदिर में श्री राम रसिया भक्त मंडल तथा दिगम्बर जैन समाज के लोगों से चर्चा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा को लेकर छोटे छोटे पहलुओं प्रयासों में सजग रहने के साथ नगर के मुख्य सड़क मार्गों प्रतिष्ठित देव स्थलों व्यापारिक प्रतिष्ठानों में गुणवत्ता युक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने पर बल दिया।यह तीसरी आंख ऐसे समय में काफी मददगार साबित होती है। तथा बाहर से आने वाले हर अजनबी व्यक्तियों पर उनकी गतिविधियों पर नजर रखने की बात रखते हुए पुलिस को जानकारी देने को कहा।